[This question paper contains 3 printed pages.]

23 MAY 2022

Your Roll No.....

Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi-110021

Sr. No. of Question Paper : 4075 A

Unique Paper Code : 62137904

Name of the Paper : Indian Perspectives in Personality Development

Name of the Course : **B.A. (P), DSE, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** Questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

munotes.in

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं छः का अनुवाद कीजिए :- 6x4=24

Translate any **Six** of the following :

(i) इदं वै तन्मधु दध्यङ्ङाथर्वणोऽश्विभ्यामुवाच । तदेतदृषि : पश्यन्नवोचत् । पुरश्चक्रे द्विपद: पुरश्चक्रे चतुष्पद:। पुरः स पक्षी भूत्वा पुरः पुरुष आविशदिति ।

(ii) क्षेत्रज्ञं चापि मां विद्धि सर्वक्षेत्रेषु भारत ।
क्षेत्रक्षेत्रयोर्ज्ञानं यत्तज्ज्ञानं मतं मम ॥

(iii) सत्त्वं सुखे संजयति रज: कर्मणि भारत ।
ज्ञानमावृत्य तु तप: प्रमादे संजयत्युत ॥

(iv) विषया विनिवर्तन्ते निराहरस्य देहिन : ।
रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते ॥

(v) अश्रद्दधाना: पुरुषा धर्मस्यास्य परन्तप ।
अप्राप्य मां निवर्तन्ते मृत्युसंसारवर्त्मनि ॥

(vi) ब्राह्मणक्षत्रियविशां शूद्राणां च परन्तप।
कर्माणि प्रविभक्तानि स्वभावप्रभवैर्गुणै :॥

(vii) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु।
मामेवैष्यसि सत्यं ते प्रतिजाने प्रियोऽसि मे॥

(viii) व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन।
बहुशाखा ह्यनन्ताश्च बुद्धयोऽव्यवसायिनाम्।

2. व्यक्तित्त्व विकास के भारतीय दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए । 12

Explain the Indian perspective to personality development.

अथवा/Or

पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट छान्दोग्योपनिषद् और बृहदारण्यकोपनिषद् के अंशों का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write in your own words the essence of the portions of *Chhandgyopanishad* and *Brihadaranyakopanishad* specified in the syllabus.

3. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर स्वधर्म का विवेचन कीजिए । 12

Discuss the स्वधर्म on the basis of *Shrimadbhagavadgita.*

अथवा/Or

श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर **सात्त्विक, राजस** एवं **तामस** तप पर प्रकाश डालिए ।

Expalin *Sattvik, Rajas, Tamas tapas* on the basis of the *Shrimadbhagavadgita.*

4. भगवद्गीता में वर्णित भक्तियोग के स्वरूप को समझायें। 12

Explain the form of *Bhaktiyoga* mentioned in the *Bhagavadgita.*

अथवा/Or

श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर **जीव, क्षेत्र** एवं **क्षेत्रज्ञ** का विवेचन कीजिए ।

Write an essay on जीव, क्षेत्र एवं क्षेत्रज्ञ according to the *Gita.*

5. निम्न में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : - 3x5=15

Write a short note on any **three** of the following:

(i) निष्काम कर्म : *Nishkama Karma*

(ii) बुद्धि का स्वरूप : Nature of intellect

(iii) त्रिगुण : Three *guna*

(iv) एकादश इन्द्रिय : Eleven senses

(v) व्यवसायात्मिका बुद्धि : *Vyavasayatmika buddhi*

munotes.in